अवैध उत्खनन परिवहन की अनुमति की आड़ में खनन

ग्राम पंचायत देतपोन में शासकीय भूमि पर अवैध उत्खनन

नवभारत/ नरसिंहपुर/ साईंखेड़ा। ग्राम पंचायत देतपोन में शासकीय भूमि पर अवैध उत्खनन का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि यह पूरा खेल किसके संरक्षण में संचालित हो रहा है। नियमों को ताक पर रखकर शासकीय भूमि से मिट्टी का उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से खुलेआम परिवहन किया जा रहा है, जिससे शासन को राजस्व हानि के साथ-साथ पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार के खनन के लिए कलेक्टर एवं जिला खनिज अधिकारी से विधिवत अनुमति, खनन पट्टा, परमिट तथा रॉयल्टी जमा करना अनिवार्य होता है, लेकिन यहां इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

परिवहन की अनुमति, उत्खनन की नहीं – फिर भी खनन जारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित पक्ष को केवल मिट्टी के परिवहन की अनुमति दी गई थी, न कि उत्खनन की। अनुमति पत्र के बिंदु क्रमांक-2 के तहत स्पष्ट है कि यदि अनुमति की शर्तों का उल्लंघन होता है, तो उक्त अनुमति स्वत: निरस्त मानी जाएगी। इसके बावजूद मौके पर शासकीय भूमि से सीधे उत्खनन किया जाना गंभीर नियम उल्लंघन है।

तारीखों में भी बड़ा विरोधाभास

ग्रामीणों द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो साक्ष्य 29 तारीख के बताए जा रहे हैं, जिनमें खुलेआम उत्खनन होता दिखाई दे रहा है, जबकि संबंधित अनुमति 30 तारीख को जारी की गई। ऐसे में अनुमति से पूर्व ही उत्खनन किया जाना पूरे मामले को और अधिक संदिग्ध बनाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं, जिससे यह संदेह और गहराता जा रहा है कि अवैध उत्खनन को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। विशेषज्ञों के अनुसार यह कृत्य स्स्ष्ठक्र, ष्ह्ल 1957 एवं मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2015 का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके अंतर्गत खनिज व वाहन जब्ती, भारी जुर्माना एवं एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान है।

माइनिंग अधिकारी ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

ग्रामीणों एवं सामाजिक संगठनों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर परिवहन अनुमति को तत्काल निरस्त किया जाए, दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो तथा शासकीय भूमि को अवैध उत्खनन व कब्जे से मुक्त कराया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कब तक और क्या ठोस कदम उठाता है। जब इस विषय पर खनिज अधिकारी ओपी बघेल को व्हाट्सएप के माध्यम से विषय की जानकारी दी गई तथा उनसे फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहिए तो उन्होंने फोन ना उठाते हुए विषय पर जवाब देने से बचते नजर आए।

इनका कहना है

माइनिंग इंस्पेक्टर को बताएंगे प्रथम दृष्टया उनकी जांच का विषय है

-अतुल श्रीवास्तव, तहसीलदार साईंखेड़ा

9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एक जनवरी से

नवभारत/तेंदूखेड़ा। वन्दनीया माताजी की जन्मशताब्दी पूज्य गुरुदेव के द्वारा प्रज्वलित अखण्ड दीप की सौ वीं वर्ष पूर्ण होने वाले वर्ष 2026 को गायत्री परिवार द्वारा विशेष वर्ष के रूप में मनाये जाने का संकल्प लिया है। सबके जीवन में यह अद्भुत संयोग सौभाग्य बनकर आया है जब युग ऋषि परम पूज्य गुरुदेव वन्दनीया माताजी का संदेश वेदमाता गायत्री देवी को जन जन तक पहुँचाने का सौभाग्य अवसर प्राप्त हो रहा है। इसी तारतम्य में तहसील तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले पुण्य सलिला माँ नर्मदा की गोद में बसे ग्राम झिरी बारह घाट में एक जनवरी से तीन जनवरी के बीच 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। जिसके तहत 1 जनवरी को दोपहर 1 बजे से विशाल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ होगा। तथा 2 और 3 जनवरी को यज्ञ के माध्यम से विविध आयोजन होंगे संस्कारों की दीक्षा दिलाई जाएगी। वरिष्ठ परिजन वृन्दावन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रात काल से ही योग के माध्यम से जीवन-यापन के तौर-तरीकों यज्ञ अनुष्ठान में आहुतियों के महत्व दोपहर में प्रवचनों के माध्यम से जीवन को सात्विक बनाने विचारों के माध्यम से हम सुधरेंगे युग सुधरेगा।

करेली एवं चांवरपाठा को मिली बड़ी सौगात

525-525 लाख रुपये की लागत से बनेंगे अटल सुशासन भवन, कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया भूमिपूजन

नवभारत/नरसिंहपुर। जिले के करेली एवं चांवरपाठा क्षेत्र को विकास की दिशा में एक बड़ी सौगात मिली है। दोनों स्थानों पर जनपद पंचायत भवन के रूप में अटल सुशासन भवन का निर्माण किया जाएगा। इन भवनों के निर्माण पर 525-525 लाख रुपये की लागत आएगी निर्माण स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह, पूर्व राज्यसभा सदस्य कैलाश सोनी, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिज्ञा परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विकास कार्यों को लेकर सरकार की मंशा पर प्रकाश डाला और जनता को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि अटल सुशासन भवनों का निर्माण क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन आधुनिक भवनों के बनने से जनपद पंचायतों के कार्यों में गति आएगी और आम नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सेवाएं सुगमता से उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी प्रशासन देना है, और ये भवन उसी सोच का प्रतीक हैं। बताया गया कि करेली एवं चांवरपाठा में बनने वाले अटल सुशासन भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगे। इनमें कार्यालय कक्ष, सभाकक्ष, जनसुनवाई कक्ष, डिजिटल सुविधाएं, अभिलेखागार और नागरिकों की सुविधा के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित की जाएगी। इससे कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा और आम जनता के कार्य भी समयबद्ध तरीके से संपन्न हो सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र को मिली इस सौगात के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों में भी इस परियोजना को लेकर उत्साह देखा गया। लोगों का कहना है कि नए भवन बनने से प्रशासनिक कार्यों में सुविधा बढ़ेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जिले में ही नहीं प्रदेश में लगातार विकास कार्य को मजबूती प्राप्त हो रही है कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ग्रामीण क्षेत्र की जनता के विकास हेतु लगातार प्रयासरत है उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता गणमान्य नागरिकों पत्रकार बंधुओं की उपस्थिति रही।

कर्मों के उदय से आते हैं दुख, धर्म की करो आराधना मिलेंगे उत्तम सुख

नवभारत/ गोटेगांव। सभी साधकों के जीवन में कर्मों का उदय आने से ही दुख आते हैं। कई बार व्यवधान उत्पन्न होते हैं। लेकिन केवल्य ज्ञान प्राप्ति के लिए यह सब सहन करना ही पड़ता है। जो आगम के अनुरूप मिलता है उसे ही तीर्थंकर भगवान ग्रहण करते है। धर्म रत्नत्रय का धारक होता है। धर्म की आराधना करो तो ही उत्तम सुख मिलेगा। लेकिन जिन कर्म से कर्मबंध होते हैं उन कर्म से तुम्हें सदैव दूर रहना चाहिए। कर्मों की कालिमा से बचाने वाली यह बात गोटेगांव नगर की पावन धरा पर विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर 108 श्री समय सागर जी महाराज ने अपने धर्म प्रवचन में

कहीं। उन्होंने कहा पांच इंद्रियों के विषय से आप सबको दूर रहना चाहिए। भगवान के सामने जाकर धर्म की आराधना करो। आपको तृष्णा के चलते एक सीमा तक सुख पहुंचता है। उसके बाद जब विपरीत समय आता है तो दुख ही दुख होता है। इसलिए आप साधना करो। धर्म की आराधना करो । जब हम एक दूसरे से पूछते हैं कि आपका स्वास्थ्य ठीक है।

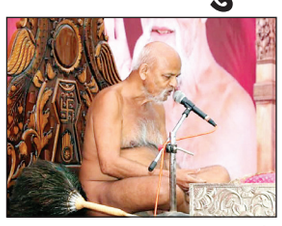

स्टेट हाईवे 44 पर भारी वाहनों के प्रवेश से मंडरा रहा हादसों का साया

नवभारत/ सांईखेड़ा। नगर की व्यस्ततम यातायात व्यवस्था और आए दिन लगने वाले जाम से आमजन को निजात दिलाने के लिए नगर परिषद अध्यक्ष स्वाती सचिन अग्रवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। स्टेट हाईवे 44 पर एन.टी.पी.सी. के विशालकाय वाहनों और अन्य भारी ट्रकों की बेलगाम आवाजाही से बड़ते खतरों को देखते हुए, उन्होंने थाना प्रभारी को पत्र लिखकर इन वाहनों के समय निर्धारण और प्रतिबंध की मांग की है। बाजार और स्कूल क्षेत्र में बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका अध्यक्ष अग्रवाल ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि सांईखेड़ा नगर का मुख्य बाजार स्टेट हाईवे 44 पर ही स्थित है। लगभग 3 से 4 किलोमीटर के दायरे में फैले इस बाजार क्षेत्र में न केवल प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं, बल्कि स्कूल, बैंक, नगर परिषद और पुलिस थाना जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय भी इसी मार्ग पर स्थित हैं। भारी वाहनों के अनियंत्रित आवागमन के कारण यहाँ विशेषकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए सड़क पार करना भी दूभर हो गया है।

साप्ताहिक बाजार के दिन बिगड़ रहे हालात

नगर परिषद का कहना है कि साप्ताहिक बाजार के दिन क्षेत्र में ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों की भीड़ सामान्य दिनों से कई गुना अधिक होती है। ऐसे में एन.टी.पी.सी. के बड़े वाहन और

कार्यालय नगर परिषद साईखेडा जिला, नरसिंहपुर म.प्र.

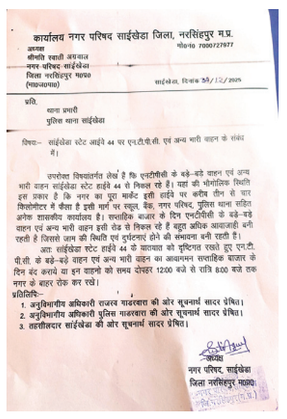

मो०न० 7000727977

अध्यक्ष
श्रीमति स्वाती अग्रवाल
नगर परिषद साईखेडा
जिला नरसिंहपुर म०प्र०
(म०ज०पा०)

साईखेडा, दिनांक 31/12/2025

प्रति,
थाना प्रभारी
पुलिस थाना साईखेडा

विषयः- साईखेडा स्टेट हाईवे 44 पर एन.टी.पी.सी. एवं अन्य भारी वाहन के संबंध में।

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि एनटीपीसी के बड़े-बड़े वाहन एवं अन्य भारी वाहन साईखेडा स्टेट हाईवे 44 से निकल रहे हैं। यहां की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार है कि नगर का पूरा मार्केट इसी हाईवे पर करीब तीन से चार किलोमीटर में फैला है इसी मार्ग पर स्कूल, बैंक, नगर परिषद, पुलिस थाना सहित अनेक शासकीय कार्यालय है। सप्ताहिक बाजार के दिन एनटीपीसी के बड़े-बड़े वाहन एवं अन्य भारी वाहन इसी रोड से निकल रहे है बहुत अधिक आवाजाही बनी रहती है जिससे जाम की स्थिति एवं दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी रहती हैं।

अतः साईखेडा स्टेट हाईवे 44 के यातायात को दृष्टिगत रखते हुए एन.टी.पी.सी. के बड़े-बड़े वाहन एवं अन्य भारी वाहन का आवागमन सप्ताहिक बाजार के दिन बंद कराये या इन वाहनो को समय दोपहर 12:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक नगर के बाहर रोक कर रखें।

प्रतिलिपिः-
1. अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गाडरवारा की ओर सूचनार्थ सादर प्रेषित।
2. अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गाडरवारा की ओर सूचनार्थ सादर प्रेषित।
3. तहसीलदार साईखेडा की ओर सूचनार्थ सादर प्रेषित।

अध्यक्ष
नगर परिषद, साईखेडा
जिला नरसिंहपुर म०प्र०

भारी ट्रक बीच बाजार में फंस जाते हैं, जिससे घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। यह जाम न केवल व्यापार को प्रभावित कर रहा है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं (जैसे एम्बुलेंस) के लिए भी बड़ी बाधा बन रहा है।

दोपहर 12 से रात 8 बजे तक नो एंट्री की मांग: नगर परिषद ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि साप्ताहिक बाजार के दिन भारी वाहनों का नगर में प्रवेश पूरी तरह बंद किया जाए। सामान्य दिनों में भी यातायात के दबाव को देखते हुए दोपहर 12ः00 बजे से रात्रि 8ः00 बजे तक भारी वाहनों को नगर की सीमा के बाहर ही रोका जाए। नगर की सुरक्षा और सुचारू यातायात हमारी प्राथमिकता है। स्टेट हाईवे पर बड़ते भारी वाहनों के दबाव से किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। हमने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि दोपहर से रात तक भारी वाहनों को नगर के बाहर रोका जाए ताकि स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को परेशानी न हो।

एक शिक्षक के कंधों पर दो स्कूल के 63 बच्चों का भविष्य

नवभारत/गोटेगांव तहसील के अंतर्गत शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है, जहां पर्याप्त छात्र संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती नहीं की गई है। ग्राम पंचायत पिपरसरा के शासकीय स्कूलों में हालात इतने खराब हैं कि प्राथमिक और माध्यमिक शाला के कुल 63 बच्चों की पड़ाई का जिम्मा केवल एक ही सरकारी शिक्षक के भरोसे है। प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक दशरथ मेहरा को ही दोनों स्कूलों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही है। वे आधा समय प्राथमिक स्कूल और आधा समय माध्यमिक स्कूल को देते हैं। माध्यमिक शाला में 35 बच्चे दर्ज हैं, जहां केवल एक अतिथि शिक्षक कार्यरत है, जबकि

प्राथमिक शाला में 28 बच्चे पड़ रहे हैं और वहां दशरथ मेहरा के अलावा कोई अन्य सरकारी शिक्षक नहीं है। बताया गया है कि प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक नीरज ठाकुर का जुलाई में निधन हो गया था और दूसरे शिक्षक रणवीर सिंह पटेल का तबादला अतिशेष के कारण बुढ़ेना कर दिया गया, जिसके बाद से यहां पद खाली पड़े हैंद्व हैरानी की बात यह है कि एक ओर जहां पिपरसरा में शिक्षकों की कमी है।

एक नजर में

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

नवभारत/नरसिंहपुर। आज पंडित विवेक महाराज के मुखारविंद से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 3 जनवरी तक रिपटा पार नरसिंहपुर में विश्वनाथ राय एवं भगवती राय के सौजन्य से किया जा रहा है। जिसमें आज दूसरे दिवस की कथा में राजा परिक्षित की कथा का व्याख्यान किया गया, जिसका सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने सानंद श्रवण किया। आज की कथा के समापन पर मिलन समिति नरसिंहपुर के संरक्षक एस, के, चतुर्वेदी, अध्यक्ष संजय राय, छोटू पटेल, गोपालपुरी गोस्वामी, विजय महाराज सहित सभी सदस्यों द्वारा कथा वाचक महाराज श्री का शाल श्री फल एवं पुष्प माला से ब्यास पूजन किया। कथा के यजमान सूरज राय ने सभी श्रद्धालुओं से धर्म लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह किया है।

नवोदित 2025 का सफल आयोजन

नवभारत/नरसिंहपुर। नवोदित 2025 का सफल आयोजन किया गया। पहली बार हुए इस कार्यक्रम में 6 प्रतियोगिताओं—ग्रुप डांस, सोलो डांस, कबाड़ से जुगाड़, रंगोली, ड्राइंग और सोलो सिंगिंग—में 168 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि सीईओ श्री गजेंद्र नागेश जी तथा विशिष्ट अतिथि संध्या कोठारी जी, सुमित दुबे जी, डॉ. स्वाति चंदोरकर जी एवं अतर साहू की उपस्थिति ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। संदीप लोधी जी, श्री राम क्रिएशन, अभिमन्यु कल्याण समिति और अग्रवाल अनाज भंडार के सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। ऑल हेड के रूप में वैशाली पांडे, डिपार्टमेंट हेड वॉलंटियर के रूप में आरती रैकवार, खुशबू, कमल किशोर मेहरा, तथा कोर टीम के रूप में मानस, कालूराम, वेदांत दुबे, दिनेश अग्रवाल, विवेक साहू, विवेक मेहरा, बृजेश चौधरी, रुपेश नामदेव, ऋतिक कुशवाहा, खुशी ढीमोले,मोतीलाल, मनीषा राजपूत, आशना, गरिमा पांडे, साक्षी, यशिका सोनी एवं शालिनी का सराहनीय सहयोग रहा। पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ और बच्चों के चेहरों पर आत्मविश्वास की चमक बिखरी। आयोजन टीम और सभी स्वयंसेवकों का योगदान सराहनीय रहा कार्यक्रम का मंच संचालन दिनेश अग्रवाल, आशना यादव एवं आभार वैशाली पांडेण्य ने किया।

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने दादाजी दरबार में टेका मत्था

नवभारत/साईखेड़ा। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर साईखेड़ा के भैया-बहिनों द्वारा आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु एक विशेष दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने क्षेत्र की अटूट श्रद्धा के केंद्र दादाजी धूनीवाले दरबार पहुँचकर सामूहिक दर्शन किए और पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय से टोली के रूप में निकले भैया-बहिन जयकारों के साथ दादाजी के दरबार पहुँचे। यहाँ विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से पूजन किया और श्रद्धापूर्वक प्रसाद अर्पित किया। दर्शन के उपरांत दरबार परिसर में ही लघु भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। बच्चों के कंठ से फूटती स्वर लहरियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

नववर्ष का स्वागत, सैलानियों की पहली पसंद बना टोन घाट ईको पर्यटन केंद्र

नवभारत/ गोटेगांव। समीप ग्राम बरहटा स्थित साल 2025 की विदाई और 2026 के आगमन को लेकर पर्यटन प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। नरसिंहपुर जिले के बरहटा ग्राम के समीप शेड नदी पर स्थित टोन घाट ईको पर्यटन केंद्र नए साल का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह सज गया है। यहां की नैसर्गिक सुंदरता और शांत वातावरण सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि नववर्ष के स्वागत के लिए यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। टोन घाट की सबसे बड़ी विशेषता यहां शेड नदी पर बना मिनी जलप्रपात और प्राचीन चट्टानी संरचनाएं हैं, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती हैं। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ यह क्षेत्र आध्यात्मिक चेतना का भी केंद्र है। टोन घाट के समीप ही राजयोग आश्रम, शंकराचार्य बाल लीला धाम और शंकराचार्य घाट स्थित हैं, जो पर्यटकों को मानसिक सुकून का अहसास कराते हैं। यहाँ आने वाले परिवार अक्सर नदी किनारे पारंपरिक भर्ता-बाटी का आनंद लेते और चट्टानी गुफाओं के बीच पिकनिक मनाते देखे जाते हैं।

विकास की चमक या विनाश का धुआं?

नवभारत/गाडरवारा। जिला ब्यूरो सचिन जोशी। गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र में स्थित एनटीपीसी एनटीपीसी संयंत्र आज स्थानीय लोगों के लिए वरदान के बजाय अभिशाप बनता जा रहा है। संयंत्र से निकलने वाली राख और सड़कों पर दौड़ते अनियंत्रित ट्रालों ने पूरे क्षेत्र में तांडव मचा रखा है। आलम यह है कि गाडरवारा शहर से लेकर दूर-दराज के गांवों तक लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है।

राख के गुबार ने छीनी स्वच्छ हवा

क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि एनटीपीसी से निकलने वाली फ्लाई ऐश (राख) हवा में घुलकर जहर बन रही है। हवा के साथ उड़कर यह राख लोगों के घरों, किचन और यहां तक कि फेफड़ों तक पहुंच रही है। बच्चों और बुजुर्गों में सांस की बीमारियां, अस्थमा और आंखों में जलन की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रदूषण की काली चादर ने पूरी विधानसभा क्षेत्र के पर्यावरण को अपनी चपेट में ले लिया है।

सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे भारी वाहन

एनटीपीसी से जुड़े भारी ट्रालों और डंपरों ने सड़कों पर दहशत का माहौल बना दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि तेज रफ्तार और लापरवाही- ये वाहन बिना किसी ढके या सुरक्षा मानकों के राख और सामग्री लेकर तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। बदहाल सड़कें- इन भारी वाहनों के भार से सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, जिससे आम वाहन चालकों के लिए निकलना दूभर हो गया है। दुर्घटनाओं का केंद्र- आए दिन होने वाली छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं ने लोगों के मन में डर पैदा कर दिया है। प्रशासन की ओर से इन ट्रालों की गति सीमा या समय निर्धारण पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं दिख रही है।

किसानों की बदहाली और प्रशासनिक चुप्पी

प्रदूषण का सीधा असर फसलों पर भी पड़ रहा है। खेतों में राख की परत जमने से पैदावार घट रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन को बार-बार अवगत कराने के बावजूद, समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सीएसआर (ष्टस्क्र) के नाम पर औपचारिकताएं तो पूरी की जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता केवल धूल और धुआं फांकने को मजबूर है।

दादा दरबार मार्ग का कायाकल्प, श्रद्धालुओं को मिलेगी कीचड़ और गंदगी से मुक्ति

नवभारत/साईखेड़ा। प्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल और महान संत श्री दादाजी धूनी वाले की प्राचीन लीला स्थली, साईखेड़ा में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर परिषद द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग का नवनिर्माण होने से अब श्रद्धालुओं को पूजन-अर्चन के लिए साफ-स्वच्छ रास्ता मिल सकेगा। इस विकास कार्य से हर्षित होकर वार्ड वासियों और दर्शनार्थियों ने नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल एवं वार्ड पार्षद के प्रति आभार व्यक्त किया है।

वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

उल्लेखनीय है कि दादाजी धूनी वाले का मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुँचते हैं। लंबे समय से मंदिर मार्ग जर्जर अवस्था में था, जिसके कारण विशेषकर बारिश के

मौसम में कीचड़ और गंदगी के चलते श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। स्थानीय रहवासियों द्वारा इस मार्ग को दुरुस्त करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

स्वच्छता और सुगमता पर जोर: नगर परिषद द्वारा जनहित में त्वरित निर्णय लेते हुए इस मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है। अब पक्का और साफ मार्ग बन जाने से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि मंदिर परिसर के आसपास स्वच्छता का वातावरण भी निर्मित हुआ है। श्रद्धालुओं का कहना है कि अब बुजुर्गों और बच्चों को मंदिर ले जाने में काफी आसानी होगी।

विकास कार्यों को दी जा रही है प्राथमिकता

मार्ग निर्माण कार्य पूरा होने पर वार्ड के नागरिकों और श्रद्धालुओं ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल के प्रयासों से नगर के विकास कार्यों में तेजी आई है। वार्ड वासियों ने सामूहिक रूप से अध्यक्ष और वार्ड पार्षद का धन्यवाद करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले मार्गों की सुलभता से नगर की छवि और बेहतर होगी। नगर परिषद अध्यक्ष स्वाति सचिन अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि नगर का चहुंमुखी विकास और मूलभूत सुविधाओं को जन-जन तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर के अन्य वार्डों में भी लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा ताकि जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

कैसे रंगे जाते हैं धागे और धागों से कैसे बनता है कपड़ा, छात्राओं ने हथकरधा केंद्र पर जाकर देखा

नवभारत/ तेंदूखेड़ा शासन की योजना अनुसार बच्चों को प्राकृतिक रमणीय औद्योगिक व्यापारिक प्रशिक्षण केंद्रों पर ले जाकर उन्हें अनुभव कराया जाता है जिससे बच्चे आगे जाकर इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बन सकें इसी श्रंखला के चलते विगत दिनों शासकीय कन्या उच्चतर विद्यालय की आई टी एवं ब्यूटी वेलनेस ट्रेड की छात्राओं ने रायसेन जिले के देवरी में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था देवरी तथा सागर जिले के अंतर्गत शीतल हथकरघा और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर विभिन्न ट्रेडों के प्रशिक्षणार्थी किस तरह से अनुभव ज्ञान ले रहें हैं। विभिन्न मशीनरियों में उन्हें किस तरह से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उसके बारे व्यवहारिक ज्ञान साझा किया गया। आगे जाकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में स्वयं का उद्योग स्थापित करने में क्या मदद मिलेगी और नौकरी क्षेत्रों में किन किन क्षेत्रों में जा सकते हैं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की इतना ही नहीं जिस धागों से बनें हुए रंगीन कपड़े हम पहनते हैं वे कैसे बनते हैं।धागा कैसे बनता है कपास रुई कहां से उपलब्ध होती है।